माननीय राज्यपाल महोदय श्री राम नरेश यादव का चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय प्रबंध मण्डल की बैठक में उद्बोधन

स्थान :- राजभवन, दिनांक :- 17 जनवरी, 2014 समय- प्रात: 11 बजे

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के प्रबंध मण्डल की 46 वीं बैठक में आप सबका स्वागत है। मुझे विश्वास है कि प्रबंध मण्डल के सदस्यों के विचार-विमर्श से जो निष्कर्ष सामने आयेंगे उससे विश्वविद्यालय का दीर्घकालीन हित होगा।

पिछली बैठक में विचार का एक ही मुददा था किन्तु इस बार ग्रामोदय के प्रकरणों पर विस्तार से चर्चा होगी। मुझे विश्वास है कि विश्वविद्यालय की प्रगति और विकास के कार्यों में आप सबके मार्गदर्शन से विश्वविद्यालय प्रगति के पथ पर अग्रसर हो सकेगा।

नानाजी देशमुख ने चित्रकूट में ग्रामोदय विश्वविद्यालय की स्थापना ग्राम विकास के उद्देश्य से की थी। वे चाहते थे कि ग्रामोदय एक ऐसा विश्वविद्यालय बने जो गांव और ग्रामीणों के अधिकारों का पक्षधर हो। वहां के लोगों के दु:ख दर्द समझे और उसके निराकरण के लिए जो भी उपाय हो उसे ईमानदारी से करे।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के ग्राम विकास का दर्शन ग्रामोदय विश्वविद्यालय का शाश्वत प्रेरणा स्त्रोत है। विश्वविद्यालय के कार्यों में ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए शिक्षा एवं तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ समस्त आयामों पर उच्च शिक्षा,शोध,प्रशिक्षण एवं प्रसार द्वारा संस्कार-युक्त शक्ति तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुझे प्रसन्नता है कि विश्वविद्यालय ने बीते दो दशकों से अधिक समय में अपने कार्यों से अपने योगदान से अपनी उपस्थिति से देश में एक अलग पहचान बनाई है। महात्मा गांधी और नानाजी देशमुख जैसे महापुरूषों के ग्राम स्वराज्य के सपनों को साकार करने के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। ग्रामोदय का लक्ष्य ग्रामीण विकास है। मेरी अपेक्षा है कि विश्वविद्यालय परिवार अपनी सम्पूर्ण रचनात्मक ऊर्जा का विनियोग इस महत्वपूर्ण लक्ष्य की प्राप्ति के लिए करे।

मैं विश्वविद्यालयों से अपील करता रहा हूं कि हमारे परिसरों का माहौल रचनात्मकता से ओत-प्रोत होना चाहिए। छात्रों की पढ़ाई गुणवत्तापूर्ण हो। विश्वविद्यालय परिसर राजनीति का अखाड़ा न बने और न ही अराजकता के केन्द्र बने। विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी चरित्रवान, नैतिक मूल्यों से ओतप्रोत और महान व्यक्तित्व का निर्माण करके निकलें।

मुझे विश्वास है कि ग्रामोदय विश्वविद्यालय परिवार प्राथमिकता के साथ विद्यार्थियों के जीवन विकास के लिए आधार-भूमि तैयार करने वाले पठन-पाठन और शैक्षणिक कार्यों का संचालन करेगा।

मुझे प्रसन्नता है कि विश्वविद्यालय ने गतवर्षों में सराहनीय और प्रेरणादायी उपलब्धियां प्राप्त की हैं। इनमें न केवल पाठक्रमों को समय पर पूर्ण किया बल्कि परीक्षाफल भी समय पर घोषित किये हैं और उपाधियां भी समय पर वितरित की हैं। यह एक अनुकरणीय पहल भी है।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय ने आर्थिक संसाधनों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण पहल की है। अपने सीमित साधनों से विश्वविद्यालय की गतिविधियों को ठीक ढंग से चला पाना एक चुनौती पूर्ण कार्य है। विश्वविद्यालय ने इसे बखूबी निभाया है। मेरी इच्छा है कि वर्तमान आवश्यकताओं को देखते हुए विश्वविद्यलय उच्च शिक्षा के संस्थानों एवं राज्य शासन के सहयोग से अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करे।

प्रदेश में उच्च शिक्षा के सम्मुख जो समस्यायें है उनसे आप सभी बुद्धिजीवी भली-भांति परिचित हैं। ऐसी दशा में हमारी शिक्षा कैसी होनी चाहिए इसका बेहतर निर्धारण आप ही कर सकते हैं। मेरी इच्छा है कि इस दिशा में पूरी एकाग्रता से कार्य किया जाये। जिससे इस विश्वविद्यालय से शिक्षित होकर निकलने वाला छात्र समाज और राष्ट्र की धरोहर बने न कि समस्या।

जहां तक विश्वविद्यालय के शिक्षक और कर्मचारियों की समस्याओं का संबंध है अनेकों अवसरों पर मैंने इनके सौहाद्रपूर्ण समाधान की इच्छा जाहिर की हे। समस्याओं का दीर्घ अवधि तक लम्बित रहना पठन-पाठन को बाधित करता है। मेरा विश्वास है कि विश्वविद्यालय के कुलपति सबके साथ बैठकर समस्याओं का सर्वसम्मत हल निकालने का प्रयास करें।

प्रदेश सरकार और राजभवन दोनों ने ही इस विश्वविद्यालय को अपना सहयोग प्रदान किया है और आगे भी जारी रहेगा।

अपनी उपलब्धियों की चिंता में हम यदि विश्वविद्यालय के हित को भूल जायेंगे तो हमें सकारात्मक परिणाम नहीं मिलेंगे।

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि अगले वर्ष विश्वविद्यालय अपने रजत जयंती वर्ष की शुरूआत करेगा। अपेक्षा है कि विश्वविद्यालय अपने इस यौवनकाल में पुरूषार्थ का प्रदर्शन कर विशिष्ट स्थान प्राप्त करे। चित्रकूट विश्वविद्यालय के लिए यह वर्ष उपलब्धियों वाला साबित हो यही मेरी शुभकामना है।

जय हिन्द।